भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: *250

दिनांक 12 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मधुमेह, एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या

***250 डा. अजित माधवराव गोपछड़ेः**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मधुमेह भारत में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, जो बड़ी संख्या में लोगों को अत्यधिक प्रभावित कर रही है, यदि हाँ, तो इसकी रोकथाम के लिए क्या कार्य योजना प्रस्तावित है;

(ख) क्या यह देखते हुए कि भारत में 18 वर्ष से अधिक आयु के अनुमानित 77 मिलियन व्यक्ति टाइप 2 मधुमेह से प्रभावित हैं और लगभग 25 मिलियन लोग मधुमेह से पूर्व की स्थिति में हैं, जिनमें शीघ्र ही मधुमेह होने का खतरा बढ़ जाता है, मधुमेह पर अनुसंधान प्रयासों को बढ़ाया जाएगा; और

(ग) निम्न आय वाले परिवारों को मधुमेह के लक्षणों के बारे में शिक्षित करने के लिए राज्य सरकारों के साथ समन्वय में क्या कदम उठाए गए हैं ताकि वे समय पर उपचार प्राप्त कर सकें ?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री

(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 12 अगस्त, 2025 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *250 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की रिपोर्ट "इंडिया: हेल्थ ऑफ द नेशंस स्टेट्स-2017" के अनुसार, मधुमेह सहित अन्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की समग्र मृत्यु दर और रोग भार में हिस्सेदारी वर्ष 1990 और 2016 के बीच काफी बढ़ गई है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा मधुमेह सहित प्रमुख गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए, राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) शुरू किया गया था, जिसमें बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन, शीघ्र निदान, प्रबंधन और उचित स्तर की स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केन्द्रों के लिए रेफरल पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को एनपी-एनसीडी के तहत तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मधुमेह एनपी-एनसीडी का एक अभिन्न अंग है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक और 6410 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में, एनएचएम के तहत देश में मधुमेह सहित सामान्य एनसीडी की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से जांच की जाती है।

स्वास्थ्य परिचर्या सेवाएँ विभिन्न स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केन्द्रों के माध्यम से जाँच, निदान, उपचार प्रारंभ करना, परामर्श, टेली-परामर्श और रेफरल प्रदान करती हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय निःशुल्क औषधि सेवा पहल के तहत, जन स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों पर सभी को मधुमेह की आवश्यक दवाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

(ख): सरकार मधुमेह संबंधी अनुसंधान को सुदृढ़ करने की आवश्यकता को समझती है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) मधुमेह महामारी के विज्ञान, जोखिम कारकों, जटिलताओं और लागत-प्रभावी प्रबंधन पर चल रहे वैज्ञानिक अध्ययनों का समर्थन करती है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-भारत मधुमेह (आईसीएमआर-इंडियाएबी) अध्ययन एक प्रमुख राष्ट्रीय अनुसंधान पहल है जो व्यापप्ता और मेटाबोलिक जोखिमों की प्रवृत्ति पर नज़र रखती है और जो नीति एवं कार्यक्रम डिज़ाइन के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

(ग): भारत सरकार ने राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से मधुमेह के बारे में जागरूकता बढ़ाने और विशेष रूप से निम्न-आय और वंचित समूहों में शीघ्र परिचर्या को बढ़ावा देने के लिए एक बहुआयामी कार्यनीति अपनाई है। प्रमुख पहलों में शामिल हैं:

i. स्वस्थ जीवनशैली, शीघ्र निदान और मधुमेह की रोकथाम को बढ़ावा देने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) और व्यवहार परिवर्तन संचार (बीसीसी) अभियानों के तहत जागरूकता कार्यकलाप संचालित किए जाते हैं।

ii. राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं के अनुसार एनएचएम के तहत्त जागरूकता सृजन कार्यकलापों के संचालन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

iii. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवसों, जैसे विश्व मधुमेह दिवस का लाभ उठाकर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से महत्वपूर्ण संदेश प्रसारित किए जाते है।

iv. भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण 'ईट राइट इंडिया' और 'आज से थोड़ा कम' जैसी पहलों के माध्यम से स्वास्थ्यवर्धक भोजन को बढ़ावा देता है।

v. युवा मामले और खेल मंत्रालय 'फिट इंडिया मूवमेंट' और 'खेलो इंडिया' जैसे अभियानों के माध्यम से लोगों में शारीरिक कार्यकलापों और फिटनेस को बढ़ावा देता है।

vi. आयुष मंत्रालय सामुदायिक स्तर पर विभिन्न योग आधारित कार्यकलापों के माध्यम से आरोग्य और निवारक स्वास्थ्य परिचर्या को बढ़ावा देता है।

*****